



Mr chandra prakash

18 Oct 2005

12:06 PM

Baloda Bazar

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 120375101

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 120375101

Date: 30/11/2025

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 18/10/2005
दिन _____: मंगलवार
जन्म समय _____: 12:06:00 घंटे
इष्ट _____: 15:18:37 घटी
स्थान _____: Baloda Bazar
राज्य _____: Chhattisgarh
देश _____: India

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

चैत्रादि संवत / शक _____: 2062 / 1927

अक्षांश _____: 21:40:00 उत्तर
रेखांश _____: 82:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:01:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 12:04:40 घंटे
वेलान्तर _____: 00:14:50 घंटे
साम्पातिक काल _____: 13:52:05 घंटे
सूर्योदय _____: 05:58:33 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:34:18 घंटे
दिनमान _____: 11:35:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 01:02:50 तुला
लग्न के अंश _____: 23:14:44 धनु

मास _____: कार्तिक
पक्ष _____: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि _____: 1
तिथि समाप्ति काल _____: 15:50:45
जन्म तिथि _____: 1
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: अश्विनी
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 16:04:23 घंटे
जन्म नक्षत्र _____: अश्विनी
सूर्योदय कालीन योग _____: वज्र
योग समाप्ति काल _____: 24:55:05 घंटे
जन्म योग _____: वज्र
सूर्योदय कालीन करण _____: कौलव
करण समाप्ति काल _____: 15:50:45 घंटे
जन्म करण _____: कौलव
भयात _____: 47:09:05
भभोग _____: 57:05:01
भोग्य दशा काल _____: केतु 1 वर्ष 2 मा 15 रि

No

No

917011022815

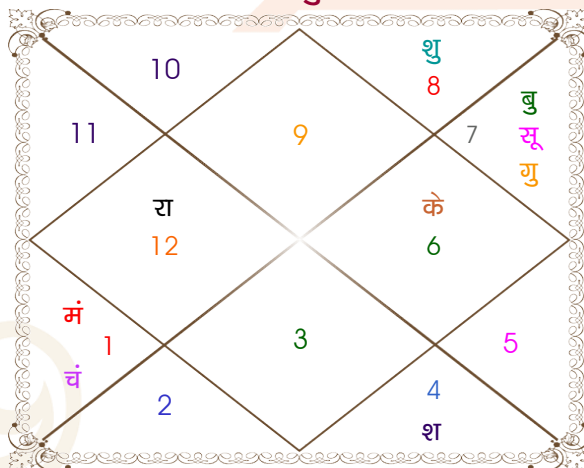
harish.rattan05@gmail.com

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्म	नेक/मन्दा
लग्न	धनु	23:14:44	---	--	--	--	नेक
सूर्य	तुला	01:02:50	नीच राशि	--	--	--	मन्दा
चन्द्र	मेष	11:01:58	सम राशि	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	व मेष	27:28:08	स्वराशि	--	हाँ	--	नेक
बुध	तुला	20:11:17	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
गुरु	तुला	04:21:20	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
शुक्र	वृश्चिक	17:16:47	सम राशि	--	--	--	नेक
शनि	कर्क	16:15:11	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
राहु	व मीन	19:42:39	सम राशि	--	--	हाँ	नेक
केतु	व कन्या	19:42:39	शत्रु राशि	--	--	--	नेक

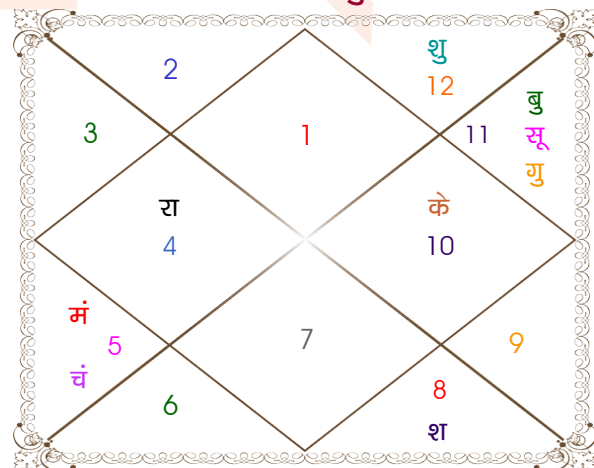
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हाँ	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	हाँ	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	हाँ	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	--	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में ग्यारहवें खाने में सूर्य पड़ा है। इसकी वजह से आपकी इच्छाएं बहुत ऊंची होंगी और पूर्ण भी होंगी। आप पूर्ण धार्मिक विचारों के होंगे। सत्तापक्ष से लाभ होगा। आपको ऐशो-आराम मिलेगा और जीवन उत्तम रहेगा। आपको तीन पुत्रों का सुख मिलेगा। आप बाहर से सुंदर दिखने वाला मकान बनाएंगे। आप अमीरी जीवन व्यतीत करेंगे। सुस्ती और लापरवाही से जीवन में आए शुभ अवसरों को आप खो सकते हैं। आपके जीवन की आखिरी अवस्था अच्छी बीतेगी। आपकी उन्नति होती रहेगी। आप आस्तिक होंगे। आपके अपने सरकल में अच्छे ताल्लुकात बनेंगे। बुराई के कामों से आप हमेशा दूर रहेंगे। आप शाकाहारी होंगे और आज्ञाकारी स्त्री व संतान का सुख मिलेगा। जीवन में सभी सुख-सुविधाएं मिलेंगी। आपके पूरे परिवार का धार्मिक होना शुभ होगा।

यदि आपने पब्लिक को लाभ देने की बजाय उल्टे उनका काम बिगाड़ा, भेड़-बकरी मारी या भेड़-बकरी का मांस खाया, पिता के बहन-भाई से झगड़ा किया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से पिता के बहन भाई अशुभ फल देंगे। शराब पीने, मांस खाने और झूठ बोलने से चारों ओर अंधेरा ही अंधेरा नजर आएगा। आपको सपने में सांप दिखें तो, इसका अशुभ फल होगा। दूसरे को गाली देना, लड़ाई-झगड़ा करना, झूठी गवाही देने पर किसी की अमानत में खयानत करने से आपका जीवन बर्बाद हो सकता है। पुत्र जन्म में बाधा या पुत्र सुख नहीं मिलेगा। झूठ बोलने से आपकी शक्ति कम होगी। यात्रा में चोट-हानि का भय रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. झूठ-झूठ से परहेज रखें।
2. शराब-मांस-मछली का प्रयोग न करें।

उपाय :

1. मूली का दान करें।
2. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को जल दें।

संतान सुख और संतान की लंबी आयु के लिए -

1. 45 वर्ष की आयु में कसाई से बकरा छुड़ा कर जंगल में खुला छोड़ दें।
2. 43 दिन तक रेत पर बिस्तर लगा कर सोयें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के पांचवें खाने में चंद्रमा है। इसकी वजह से हीरे-जवाहरात से

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

संबंधित नौकरी-व्यापार लाभ देगा। कन्या सन्तान अधिक होने का योग है। आपको सुख के सभी साधन मिलेंगे। वन विभाग के अधिकारी हो सकते हैं। आप 9 वर्ष जीवन में यात्रा करेंगे। विदेश यात्रा से लाभ संभावित है। आपकी संतान की उम्दा परवरिश होगी। धार्मिक विचार रखने से आपके धन-दौलत की बरकत होगी। आप किसी के भी सामने नहीं झुकेंगे। आप दूसरों का इन्साफ करने में आगे रहेंगे। आप रहम दिल इंसान होंगे और किसी से बेइंसाफी नहीं करेंगे। लड़ाई-झगड़े में आप जिसका भी साथ देंगे वह जरूर जीतेगा। सरकारी काम शुभ फल देने वाला होगा। आप सामाजिक कार्य करें तो आपकी औलाद के लिए अच्छा होगा। यात्रा का फल शुभ होगा। आपकी कभी भी बर्बादी नहीं होगी। आपको अपने जीवन की सभी मशहूर बातें हमेशा याद रखनी चाहिए।

यदि आपने धर्म विरोधी कार्य किये, गुप्त पाप किया, चकोर पक्षी का शिकार किया, अपना भेद किसी को बताया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी विद्या में विघ्न, संतान द्वारा विरोध होगा। आपका अपना भेदी तबाही कर सकता है। लालच और खुदगर्जी से नुकसान होगा। आपकी आदत हरेक को गुमराह करने वाली होगी। आपको नौकरी-व्यापार से अच्छा लाभ नहीं हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. आप अपनी मर्जी से कोई कार्य न करें, किसी की सलाह जरूर लेवें।
2. किसी भी पाप कार्य में दखल न देवें।

उपाय :

1. धार्मिक कार्य में बढ़-चढ़ कर भाग लेवें।
2. कभी-कभी पहाड़ की यात्रा करें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल पांचवें खाने में बैठा है। इसकी वजह से आप शांत स्वभाव के हैं। आपको अपने जन्मस्थान से दूर निवास करना पड़ सकता है आप बहुत यात्रा करेंगे। आपको धन-संपदा मिलेगी। पत्नी एवं संतान सुख प्राप्त होगा। आपकी औलाद अच्छी और सुखी रहेगी। आपका बेटा तथा पोता भी धनवान होगा। आप धनवान संतान के पिता होंगे। आपकी उम्र ज्यों-ज्यों बढ़ेगी आप अमीर होते चले जाएंगे। आप या आपके खानदान में कोई हकीम या डॉक्टर हो सकता है। आपके बुजुर्गों की माली हालत अच्छी होगी। प्रत्येक वर्ष जन्मदिन के बाद से उन्नति और तरक्की होती चली जाएगी। आप अपने भाई या बाप-दादे की हैसियत से ऊंचे दर्जे के व्यक्ति होंगे। आपकी पुत्र प्राप्ति के बाद भाग्योन्नति होगी। आपके भाग्य के संबंध में अच्छा असर होने की उम्मीद है।

यदि आपका चाल-चलन खराब हुआ, आपने परिवार के लोगों से बिना कारण

दुश्मनी रखी, सट्टा-जुआ आदि खेला, संतान या पत्नी से झगड़ा किया तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आपकी विद्या अधूरी, पेट में खराबी, कानों की तकलीफ, घुटने या पैरों में किसी प्रकार का कष्ट या जोड़ों का दर्द हो सकता है। संतान प्राप्ति या संतान सुख में बाधा की आशंका है। स्त्री को अठराह की बीमारी जो संतानोत्पत्ति में विघ्न कारक होती है, हो सकती है। सट्टा-जुआ आदि में हानि का योग है। पुत्र से क्लेश, परिवार में किसी को दमा या मिरगी का भय रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।
2. शराब-बीयर न पियें, मछली न खायें।

उपाय :

1. घर में नीम का पेड़ जमीन या गमले में लगावें।
2. रात को लोटे में पानी भरकर सिरहाने रख कर सुबह किसी पौधे या बाग-बगीचे में डालें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में ग्यारहवें खाने में बुध पड़ा है। इसकी वजह से आपकी गुणी और संपन्न संतान होगी। आपकी संतान का विवाह उच्च कुल में होगा। आपके जीवन के 1, 23, 33, 36, 44, 57, 73 84 एवं 94वां वर्ष शुभ और लाभदायक होगा। आप स्वयं हुनरमंद तथा शर्मसार होंगे। आपकी पूरी तरह तकदीर बनने की उम्मीद रहेगी। 34 वर्ष के बाद आप अच्छी प्रकार से जीवन बिताएंगे। आपको दोस्ती करने से लाभ नहीं होगा। आपको विदेश के व्यवसाय से भी लाभ हो सकता है। बुद्धि के कामों में आपको सफलता मिल सकती है। सरकारी पक्ष से लगाव, लाभ और सम्मान प्राप्त हो सकता है। आपको कसीदाकारी, चित्रकला, कलाकारी, अध्यापन या कानूनी काम से लाभ हो सकता है। विशेष रूप से आप अपनी बुद्धि का प्रयोग कर लाभ और प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकते हैं।

यदि आपने बुरे या बदकारी के काम किये, चौड़े पत्तों का वृक्ष आपके घर में हुआ, साधू-फकीर से धागे ताबीज आदि लिया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से जीवन के 39वें वर्ष में शारीरिक कष्ट की आशंका है। आपकी बहन अमीर घर में ब्याही जाएगी परंतु पति की वजह से दुःखी रहेगी। आपके बच्चों पर भी कुछ बुरा असर हो सकता है। आपके पांव में, कान में, जिस्म के जोड़ों पर बीमारी होने की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

1. चौड़े पत्तों का वृक्ष घर में न लगाएं।
2. पीतल खाली बर्तन बंद न रखें।

उपाय :

1. कंठी वाला तोता पालें।
2. तांबे का पैसा या चौरस टुकड़ा सफेद धागे में डाल कर गले में पहनें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति ग्यारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपको पिता का सहयोग प्राप्त होगा। भाई आपके मदद्गार हो सकते हैं और उनसे लाभ भी होगा। कारोबार में भाई का साथ भाग्य जगाता है। आपके जीवन के 16 वर्ष से 28 वर्ष तक का समय भाग्य आपका खूब साथ देगा। आपके भाग्य से ससुराल वालों को बहुत लाभ होगा आपको धन-संपदा प्राप्त होगी। आप गरीबों की मदद करेंगे तथा धर्म में विश्वास रखेंगे, तो आपका भला होगा। पिता की उम्र तक आपकी हालात अच्छी रहेगी। आपको लाभ तो होगा परंतु आप कर्जदारी में भी रहेंगे। सरकारी कामों से संबंधित कमाये धन में बहुत बरकत होगी। आपके जीवन में आमदनी के और भी कई रास्ते हो सकते हैं। आप दूसरों के मदद्गार होंगे आप अपनी आमदनी का अपव्यय भी कर सकते हैं या आप अपने धन को संभाल कर नहीं रख सकेंगे। आपकी दोस्ती से दूसरों को लाभ मिलेगा। आप अपने भाई-बंधुओं, दोस्तों के साथ अच्छा व्यवहार रखेंगे। आप अपनी किस्मत पर भरोसा नहीं करेंगे।

यदि आपने पूजा स्थान घर में रखा, चाल-चलन खराब किया, घर में या घर के पास सूखा पीपल का वृक्ष हुआ तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से परंतु पिता की मृत्यु के बाद कोई सहायता नहीं करेगा। आप परिवार के साथ रह कर सुखी परंतु अकेले रहने में दुःखी रहेंगे। आप की आंखों की नज़र कमजोर हो सकती है। बुढ़ापे में आपकी किस्मत ढीली हो जाएगी। परिवार कितना बड़ा हो मगर कफन पराया मिले ऐसा शक है। आप शराब-बीयर आदि न पीएं वरना आपके पास धन नहीं टिकेगा। पिता की मौत के बाद आपके भाग्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। आपकी मौत शान और सम्मान से होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अण्डे न खावें।
2. पूजा स्थान घर में न रखें। धर्म मंदिर में पूजा करें।

उपाय :

1. पीला रुमाल पास रखें।
2. लावारिस लाश को कफन दान दें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र बारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपकी ज्योतिष, गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी। आप अपने परिवार का पोषण करेंगे। राज्य पक्ष से अच्छा लाभ मिलेगा। आप हर प्रकार से सुखी रहेंगे। स्त्री के माध्यम से जो भी कार्य संपन्न होते हैं वह आपके लिए अच्छा होगा। आपके काम के सुनिश्चित परिणाम प्राप्त होंगे। आपकी पत्नी आड़े समय में मदद्गार होगी। आपके जीवन में तरक्की की बागडोर आपकी पत्नी के हाथ में होगी। आप औरत की इज्जत करेंगे इसका अच्छा फल मिलेगा। विवाह के बाद काफी धन मिलेगा। स्त्री का पूरा सुख मिलेगा। आप सदैव ही दूसरों की सेवा हेतु तत्पर रहेंगे। आप जवानी में अपना समय ऐशो आराम से बिताएंगे। आपके मन में वहम समाया हुआ रहेगा। आप चित्रकला प्रिय अथवा गायन प्रिय होंगे। आप धर्माचरण करके शुभ प्रभाव को अपनाएंगे। आपको खेती-बाड़ी का लाभ भी मिलेगा। आप बेरहम होंगे फिर भी आपका मान-सम्मान बरकरार रहेगा। आपके पास बहुत जायदाद होगी।

यदि आपने पत्नी से अच्छे संबंध न रखे या पत्नी की सेहत खराब के समय देखभाल न की, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आप बूढ़े होने पर दूसरे लोगों को अपने जीवन में भुगती बातों को सुना कर समय बर्बाद करेंगे। पत्नी बीमार रहा करेगी तो आपका भाग्य अच्छा नहीं रहेगा। कन्या संतान का आपके जीवन पर बुरा प्रभाव हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. पत्नी के स्वास्थ्य का विधेय ध्यान रखें।

उपाय :

1. गाय दान करें।
2. देसी घी का दीपक जलावें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में आठवें खाने में शनि पड़ा है। इसकी वजह से आप नये अविष्कार या विषयों की खोज करेंगे। आप मनमौजी होंगे। आर्थिक हालत सामान्य रहेगी। भागीदारी के काम से लाभ अधिक होगा। यदि आप सरकारी नौकरी करते हैं तो आपको सरकारी विभाग में धीरे-धीरे तरक्की प्राप्त होगी। आप विदेश की यात्रा भी करेंगे, ऐसी पूरी संभावना है। वैसे आपको जल से, जलीय पदार्थ या समुद्री यात्रा से लाभ हो सकता है, परंतु आपकी विदेश यात्रा पूर्ण संभावित है। आपको एक जगह बैठे रहने वाले स्थायी काम करना ही अच्छा है।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

यदि आपने अपनी रिहाईश गली की नुक्कड़ पर या आगे बंद गली के घर में रखी, मकान में दरारें हुई, घर से बिच्छू निकलते रहे, आप अपने नाम पर मकान बना लें तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारणवश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आपको पिता का सुख कम ही प्राप्त हो सकता है। किसी भी दुर्घटना की आशंका है। आपके भाई आपसे शत्रुता कर सकते हैं। आपकी टांगों पर बुरा असर पड़ सकता है। शराब-मांस, अंडे का सेवन-भोजन आपको नीच बना देगा इसका सेवन नहीं करें। आपका बुढ़ापा गरीबी से गुजरे और बुढ़ापे में आंखों की दृष्टि कमजोर होने की आशंका है। आपके अभिमान के कारण नुकसान हो सकता है। कोई जवाबदेही पूर्ण कार्य से अथवा नीच कार्य से बहुत बड़ा नुकसान और पछतावे का कारण बन सकता है। आपको सरकार से भय रहेगा। अपने नाम पर मकान बना लेंगे तो असमय मौत को बुलावा हो सकता है। नौकरों द्वारा हानि का भय, संतान सुख में कमी हो सकती है। शराब-मांस, मछली का सेवन आपको हानि दे सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अपने नाम से मकान न बनायें।
2. सांप न मारें।

उपाय :

1. चांदी का चौरस टुकड़ा पास रखें।
2. 8 किलो उड़द जल प्रवाह करें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली में राहु चौथे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप सर्वगुण संपन्न, धनवान, और आयुवान होंगे। आप तीर्थ यात्रा करेंगे। आप एक सज्जन पुरुष होंगे तथा अपना जीवन सुख से बितायेंगे। आप अपार धन-संपत्ति के मालिक बनेंगे। आपको अपने सगे संबंधियों से भी धन-दौलत प्राप्त होगी। आप दूसरों की भलाई करेंगे आप भले लोगों की गिनती में गिने जाएंगे। आप धर्मात्मा, वाहन सुख से युक्त होंगे। आप अपनी बहन और पुत्री पर धन खर्च करेंगे। आपको ससुराल से भी धनागम होता रहेगा। आपको सरकार पक्ष से पूरा लाभ होगा तथा अपने बुजुर्गों का घर भर देंगे। ससुराल में भी धन की वृद्धि होगी। आप के पास 24 वर्ष की उम्र के बाद धन एकत्र होगा, गरीबी दूर हो जाएगी और धन की वर्षा होगी। आपके पिता और आपके पुत्र पर अच्छा असर पड़ेगा परंतु माता के लिए अशुभ होगा। आपके पास भूमि, भवन, वाहन सभी प्रकार के सुख-संसाधन उपलब्ध होंगे। यदि आप सरकारी महकमे में कार्यरत होंगे तो सरकारी महकमे में बड़े अफसर होकर अच्छा ओहदा प्राप्त करेंगे। आप जन्म भर सुखी रहेंगे। बंदूक-पिस्तौल आदि रखने का शौक होगा।

यदि आपने पाखाने की जगह बदली, घर की छत पर लकड़ी के कोयले रखे, सीढ़ियों के नीचे रसोई बनाई, माता की आयु की स्त्रियों से संबंध रखे तो आपका राहु मंदा हो

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आपके जीवन का 34वां वर्ष कष्टकारी होगा। माता को कष्ट की आशंका है। आप माता का विरोध करेंगे। ससुराल, ननिहाल के लिये अशुभ रहेगा, राजदरबार में हानि, दो विवाह योग या पत्नी के साथ रखैल रखें, ऐसी शंका है। रखैल पर धन बर्बाद करके अपना जीवन नष्ट कर लेंगे। आपको वाहन दुर्घटना का भय रहेगा। दिन में स्वप्न देखने वाले होंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. माता की आयु की स्त्री से अवैध संबंध स्थापित न करें।
2. गंगा नदी में स्नान न करें।

उपाय :

1. घर पर गंगा जल से स्नान करें।
2. सूखा धनिया जल प्रवाह करें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली में केतु दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप धनवान, नौकर-चाकरों से युक्त, उत्तम सुख से परिपूर्ण तथा अपने पथ पर अग्रसर रहने वाले होंगे। आप इतने अच्छे मुकद्दर के हैं कि आप मिट्टी छुएं तो सोना हो जाता है। 24 वर्ष की उम्र के बाद संतान प्राप्ति योग होगा। आपको कन्या संतान से सुख और पुत्र संतान से मध्यम सुख संभव है। आपको पुत्र का सुख प्राप्त होने की आशा है। आप खेल जगत में विश्व प्रसिद्ध बन कर ख्याति प्राप्त कर सकते हैं। आपके धन में बढ़ोत्तरी होगी। निर्धनता कभी भी नहीं आएगी। आप शक्की स्वभाव के हैं। आपके जीवन में 48 वर्ष आयु तक समय तो मिला-जुला फल देगा। इसके बाद का समय बहुत ही शुभ और सुखकारक सिद्ध होगा। आपकी आर्थिक स्थिति पर कोई विशेष बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा। कुल मिला-जुला कर आपका जीवन सुखमय ही रहेगा।

यदि आपने अपने भाई से झगड़ा किया, पर स्त्रियों से अनैतिक संबंध रखें तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से आपका चाल-चलन ढीला हो तो पुत्रियां अधिक होने, नपुंसक होने की संभावना रहती है। निःसंतान या संतान गोद लेने का योग होता है और जिससे आपको बहुत ही पीड़ा भोगनी पड़ सकती है। आपके भाई आपको गद्दे में धकेल सकते हैं या आपके धन का दुरुपयोग करेंगे। पराई औरत से संबंध आपके दांपत्य सुख में बाधा पहुंचा सकते हैं। आपके जीवन के लिए घातक और मौत का कारण सिद्ध हो सकता है। 48 वर्ष के लगभग पुत्र सुख मिलेगा या माता की आंखें खराब होने पर या माता की मौत के बाद पुत्र जन्म हो ऐसी संभावना है। धन का अपव्यय या अवनति होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. कुत्तों से नफरत न करें।

उपाय :

1. मकान की नींव में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।
2. घर में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।



लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम

ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृ ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृ ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-छीनी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालों की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे एक-एक नारियल उसी दिन जल में प्रवाह करना चाहिए।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

लाल किताब वर्षफल 2025-2026

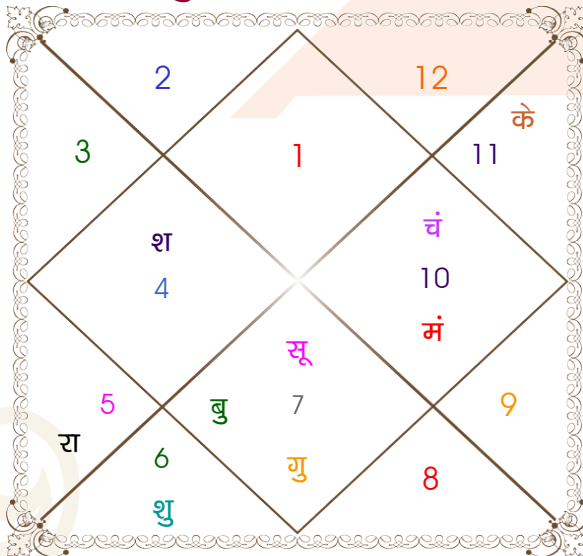
वर्तमान आयु - 21
वर्तमान दशा - गुरु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	हाँ	--	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

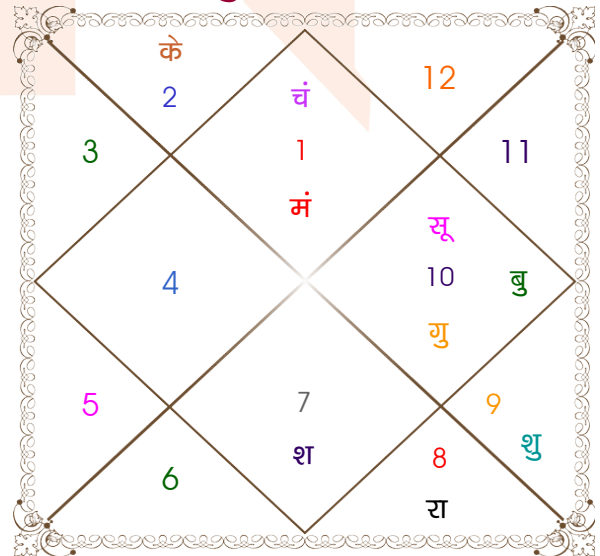
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	हाँ	हाँ	--	--	--	--	हाँ	--	--	--	हाँ

वर्ष कुंडली 2025 - 2026



वर्ष चन्द्र कुंडली 2025 - 2026



No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2025-2026

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके माता-पिता की हालत में सुधार होगा आपकी गिनती एक सम्मानित व्यक्तियों में होगी। कारोबार और परिवार में तरक्की होगी, भागीदारी के कामों में लाभ मिलेगा। ज्योतिष या कर्मकांड में रुचि रहेगी। कष्ट के समय आप अपने परिवार में रहेंगे जिससे आपके कष्टों का निवारण हो जाएगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अगर दुकानदारी या प्राइवेट नौकरी करते हैं तो मिजाज गर्म न रखें।
2. सरकारी अधिकारी हैं तो गर्म मिजाज रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष खराब स्वास्थ्य के समय या वैसे ही रात के समय लिक्चड दवाई का प्रयोग आपके लिए हानिकारक है। विद्या संबंधी कामों में भी परेशानी आ सकती है। चोरों-जुआरियों, शराबी लोगों द्वारा आपका नुकसान होगा। किसी स्त्री या प्रेमिका द्वारा गलत सलाह से आपका धन-सम्मान नष्ट हो सकता है, सतर्क रहें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूध को फाड़ कर उसका पानी पीयें अर्थात् पनीर का पानी पियें (स्वास्थ्य खराब के समय)
2. 10 दिन सुबह नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।
3. रात्रि समय (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) दूध न पिये।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप की गिनती उच्च/प्रतिष्ठित व्यक्तियों में होगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। कोई सरकारी विभाग या पुलिस/सेना विभाग में कार्यरत है तो तरक्की मिलेगी नौकरी व्यापार में अधिक धन लाभ होगा। आप राजसी समय व्यतीत करेंगे। अच्छे या बुरे तरीके से आप धन कमाएंगे, जायदाद और वाहन का सुख होगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सोना न बेचे न गिरवी रखें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

2. दूध उबाल कर रसोई में गैस चूल्हे/ अंगीठी /चूल्हे आदि पर गिर कर न जले इसका विशेष ध्यान रखें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष साझेदारी में सतर्क रहना पड़ेगा, कारण धोखा हो सकता है। भाई-बन्धु आपका विरोध कर सकते हैं। खराब चाल-चलन से कारोबार में हानि और शरीर कष्ट होगा। मुकदमे बाजी या झगड़े से दूर रहें यह परेशानी ही देंगे बेशक फैसले पर जीत आपकी होगी। विदेश संबंधी यात्रा या कामों में हानि का भय रहेगा।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. हीरा पहनें (हीरे के अभाव में पन्ना भी पहना जा सकता है)
2. चीनी खा कर पानी पी कर कार्य पर जायें या कार्य शुरू करें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष घर में मंदिर बना कर पूजा करना धन-परिवार के लिये अशुभ होगा। घर में मंदिर हानिकारक मगर दीवार पर तस्वीरें लगा कर पूजा-पाठ कर सकते हैं। घूमने-फिरने वाले साधू की संगत से भाग्य खराब हो जाएगा और जीवन में उतार-चढ़ाव देखना पड़ेगा। मामा को संतान की चिंता रहेगी। बुरे लोगों की संगति से बचे।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध सोना और रत्तियां पीले कपड़े में बांध कर रखें।
2. आप विवाहित हैं तो स्त्री मायके से कुछ न कुछ सामान लावें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष कामपूति के लिए स्त्री की प्रशंसा करेंगे और स्त्री की गुलामी भी करनी पड़ सकती है। धन का लाभ बहुत होगा। पुत्र संतान की बजाय कन्या संतान का सुख मिलने की आशंका है। जन्मदिन के बाद धन वृद्धि भी होगी। मान-सम्मान बढ़ेगा और वाहन सुख प्राप्त हो सकता है।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. स्त्री जाति का अपमान न करें।
2. पत्नी नंगे पैर ज़मीन पर न चले।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष घर से दूर विद्या अध्ययन करने या कारोबार करने से लाभ होगा। विदेश संबंधित काम या विदेश यात्रा भी हो सकती है। नौकरी-व्यापार में बदली, चाल-चलन ठीक रखेंगे। खराब स्वास्थ्य के समय अल्कोहल से लाभ होगा मगर ठीक स्वास्थ्य के समय अल्कोहल का प्रयोग हानिकारक है।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शराब न पियें, मछली न खावें
2. काला कपड़ा न पहनें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों में परेशानी, पत्नी से झगड़ा-तलाक या जुदाई तक हो सकती है जो आगे चल कर आपको कष्टकारी बनेगी। दूसरी पत्नी से संतान सुख नहीं मिलेगा इसलिये पत्नी से संबंध विच्छेद न करें। पहली संतान (लड़के) का सुख शक्की है, भाई अमीर निःसंतान या उसे संतान की चिंता रहेगी।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध चांदी का ठोस हाथी चांदी की प्लेट पर खड़ा करके घर में रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज के नीचे चांदी की पत्ती लगाएं।
3. अपनी पत्नी से दो बार विवाह (फेरे) करें (पुत्र सुख के लिए)

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष कभी हिम्मत नहीं हारेगें। भाग्य आपका साथ देगा। धन-दौलत का अधिक लाभ होगा। आपको पुत्र संतान का सुख मिलेगा तो माता/सास को शारीरिक कष्ट हो सकता है खासकर आंखों में। चाल-चलन ठीक रखें वरना शारीरिक कमजोरी हो सकती है। आने वाले समय की अधिक सोच रहेगी।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शुभ काम पर जाते समय कोई पीछे से आवाज दे तो काम पर न जायें क्योंकि आगे काम नहीं बनेगा।
2. व्यतीत समय की बातें करके को याद कर लोगों को न सुनायें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- शुद्ध सोना पीले कपड़े में बांध कर रखें/धारण करें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



लाल किताब वर्षफल 2026-2027

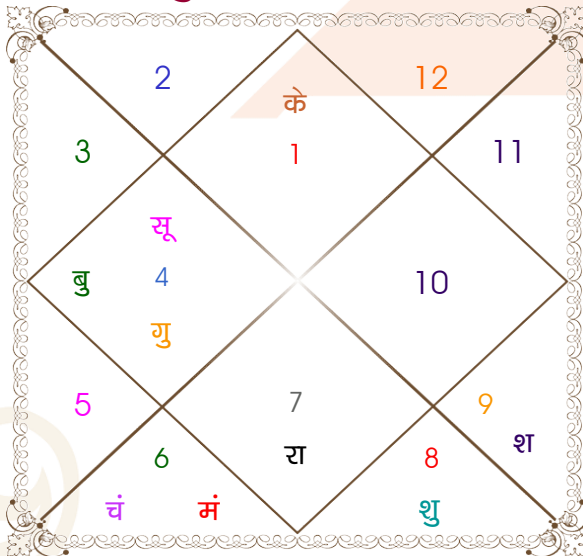
वर्तमान आयु - 22
वर्तमान दशा - गुरु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	नेक
चंद्र	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	--	हाँ	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	मन्दा
शुक्र	--	हाँ	--	मन्दा
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

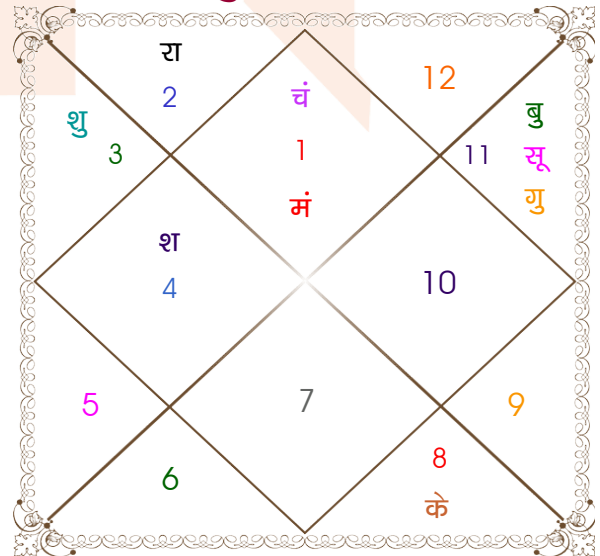
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	हाँ	--	हाँ	--	--	--	--	--	हाँ	--

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके धन का उपयोग दूसरे लोग करेंगे मगर आप उनसे लाभ उठावेंगे। परिवार में नये कार्य शुरू हो सकते हैं जो लाभदायक रहेंगे। वस्त्रों के काम से लाभ मिलेगा, रात्रि समय किये कार्यों से अधिक लाभ मिलेगा, सरकारी विभाग या समुद्र की यात्रा से भी लाभ मिलेगा। माता/सास से झगड़ा न करें।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चोरी न करें बल्कि चोरी की सोच मन में न लायें।
2. किसी भी स्त्री से झगड़ा न करें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 6 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी माता को शरीर कष्ट रहेगा। आप के परिवार को माता की चिंता रहेगी या विद्या संबंधी परेशानी भी आ सकती है। आम जनता के लिये पानी पिलाने का पानी का स्रोत लगाना, आपको और आपकी संतान को कष्ट तथा परेशानी ही देगा। बिना सोचे-समझे किये गये कामों में आपको परेशानी उठानी पड़ सकती है, समझदारी से काम लें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चंद्र ग्रहण के मध्य काल में 4 सूखे नारियल (बजने वाले) जल प्रवाह करें।
2. माता को कष्ट हो तो खरगोश पालें।
3. नाश्ते में कच्चा पनीर खायें। रात्रि समय (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) दूध न पीयें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष परिवार में खुशी का योग बनेगा, छोटे भाई की मदद करेंगे, शत्रुओं में कमी होगी या शत्रु दबे रहेंगे, साहुकारा (लिखा-पढ़ी करके ब्याज पर रुपया-पैसा देना) करने से लाभ होगा, प्रसन्नचित्त रहेंगे और दूसरों को भी प्रसन्न रखेंगे। साधू-संन्यासी की तरह जीवन व्यतीत करेंगे और जनता की सेवा करेंगे। परिवार व समाज में सम्मान बढ़ेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. भाई से झगड़ा न करें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

2. पुत्र का जन्म हो तो जन्म पर मीठा या मिठाई न बांटे यदि मिठाई बांटनी हो तो मिठाई के साथ नमकीन चीज जरूर दें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष धन लाभ, परिवार में सभी सुखी और सुख के साधन मिलेंगे। कुल मिला कर राजयोग का समय है, विदेश यात्रा या विदेश से लाभ प्राप्त हो ऐसा योग है। बहन-बेटी, बुआ-साली से भी लाभ हो सकता है। माता से धन-जायदाद का लाभ होगा मगर मातृ सुख में कमी की आंशका रहेगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बेटी-बहन, बुआ-साली से झगड़ा न करें।
2. विधवा स्त्री से सम्बन्ध न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से इस वर्ष शराब-बीयर पीने से विद्या या विद्या सम्बन्धी कामों में परेशानी हो सकती है। चाल-चलन खराब या दूसरा विवाह आपको संतान सुख न देगा। आपको जमीन-जायदाद की चिंता रहेगी। पिता-दादा से दूरी हो सकती है। माता से जुदाई या माता पर कष्ट आ सकता है।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. धर्म मन्दिर में हर रोज सिर झुकाएं।
2. कुल पुरोहित का धन वस्त्र आदि देकर आर्शीवाद लेवें। अगर कुल पुरोहित न हो तो महीने दो-महीने बाद 4 किलो चने की दाल धर्म स्थान में देते रहें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष गुप्त रोग का भय है। चाल-चलन ठीक रखें वरना पत्नी का स्वभाव चिड़चिड़ा हो सकता है। पत्नी से झगड़ा करना आपके लिये हार और हानि का कारण होगा। पत्नी की हर बात में हां में हां जरूर मिलायें मगर करें अपने मन की। आपके द्वारा दी गई जमानत आपको भरनी पड़ सकती है।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गंदे नाले में तांबे का पैसा या फूल डालें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

2. धर्म स्थान में सिर झुकाएं।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके मन में परोपकार की भावना रहेगी, भाई-बंधुओं का सहयोग मिलेगा। कर्ज का बोझ आप में नहीं रहेगा। पैसे के प्रति आप की दौड़ नहीं रहेगी। पत्नी के नाम पर काम शुरू करने से लाभ होगा, मकान-वाहन का सुख मिलेगा। तीसरा रिहाइशी मकान न बनावें वरना स्वास्थ्य को खतरा होगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. दूसरों के माल पर बदनीयत न रखें।
2. घर की छत पर ईधन-चौगाठ आदि न रखें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष बिजली या पुलिस विभाग से संबंधित कामों में हानि का भय, ट्रांसपोर्ट का काम करने से हानि या आयु शक्की हो सकती है। साझेदारों से झगड़ा। कारोबार में उथल-पुथल भी हो सकती है। पत्नी को सिर दर्द का रोग हो सकता है। पत्नी से तनाव या पत्नी से जुदाई भी हो सकती है।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. नारियल का दान करें।
2. शुद्ध चांदी की दो ईंटे घर में कायम करें।
3. प्लास्टिक की डिब्बी में शुद्ध चांदी का चौरस टुकड़ा रख कर गंगा जल भर कर रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष तरक्की का योग है। मगर तबदीली का योग कम ही है। यात्रा के आदेश पत्र के बावजूद यात्रा न होगी या बीच में छोड़ कर वापिस आना पड़ेगा। पिता-गुरु की सेवा में रुचि रहेगी। परिवार में किसी स्त्री के संतान पैदा होने का योग हो तो उसे पुत्र लाभ हो सकता है।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बकरी न पालें और बकरी की सेवा न करें।
2. गली के आखिर के मकान में रिहाइश न करें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 6 दिन नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com